

901

801(DG)

2023

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' तथा 'ब' में विभाजित है।
- (iii) प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
- (iv) खण्ड 'अ' में बहु-विकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।
- (v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उसके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड - 'अ'

(बहु-विकल्पीय प्रश्न)

1. 'रस मीमांसा' के लेखक हैं [1]
 - (A) महादेवी वर्मा
 - (B) रामचन्द्र शुक्ल
 - (C) 'निराला'
 - (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. 'तितली' कृति की विधा है : [1]
 - (A) कहानी
 - (B) जीवनी

- (C) उपन्यास
- (D) नाटक

3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद लेखक हैं : [1]

- (A) गाँधी की देन के
- (B) हिन्दी - साहित्य का इतिहास के
- (C) इन्द्रजाल के
- (D) हिन्दी - साहित्य विमर्श के

4. 'साहित्य और कला' रचना है: [1]

- (A) पदुमलाल पुन्नलाल बख्शी की
- (B) सुमित्रानन्दन पन्त की
- (C) भगवतशरण उपाध्याय की
- (D) जयप्रकाश भारती की

5. शुक्लोत्तर - युग के लेखक हैं: [1]

- (A) राधाचरण गोस्वामी
- (B) चतुरसेन शास्त्री
- (C) दौलतराम
- (D) धर्मवीर भारती

6. रीतिकालीन कवि हैं: [1]

- (A) केदार भट्ट
- (B) जायसी
- (C) पद्माकर
- (D) कृष्णदास

7. 'छत्रसाल दशक' के रचयिता हैं: [1]

- (A) मतिराम
- (B) भूषण
- (C) घनानन्द
- (D) 'हरिऔध'

8. 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं: [1]

- (A) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- (B) नरेन्द्र शर्मा
- (C) भवानीप्रसाद मिश्र
- (D) केशव

9. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है : [1]

- (A) 'ज्ञानदीप'
- (B) 'युगवाणी'
- (C) 'प्रेमवाटिका'
- (D) 'क्षणदा'

10. 'स्मृति की रेखाएँ' साहित्य की विधा है: [1]

- (A) जीवनी
- (B) भेंटवार्ता
- (C) संस्मरण
- (D) नाटक

11. 'करुण रस' का स्थायीभाव है: [1]

- (A) भय
- (B) निर्वेद
- (C) विस्मय
- (D) शोक

12. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में अलङ्कार है [1]

- (A) उत्प्रेक्षा
- (B) रूपक
- (C) उपमा
- (D) यमक

13. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे । [1]

बिसरे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तनु ।

उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है :

- (A) रोला
- (B) सोरठा
- (C) सवैया
- (D) कुण्डलिया

14. 'अनुचर' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है: [1]

- (A) अन
- (B) अनु
- (C) अ
- (D) आ

15. प्रत्यय के प्रकार हैं : [1]

- (A) दो
- (B) चार
- (C) पाँच
- (D) तीन

16. 'वेद-पुराण' में समास है: [1]

- (A) द्विगु
- (B) बहुव्रीहि
- (C) द्वन्द्व
- (D) तत्पुरुष

17. 'परमोद' शब्द का तत्सम रूप है: [1]

- (A) पृमोद
- (B) प्रमुद
- (C) प्रमोद
- (D) प्रमाद

18. 'इत्यादि' में सन्धि है। [1]

- (A) यण् सन्धि
- (B) गुण 'सन्धि
- (C) वृद्धि सन्धि
- (D) जश्त्व सन्धि

downloaded from
StudentSuvidha.com

19. 'फलेन' शब्द का वचन एवं विभक्ति है: [1]

- (A) द्विवचन, चतुर्थी विभक्ति
- (B) एकवचन, पञ्चमी विभक्ति
- (C) बहुवचन, षष्ठी विभक्ति
- (D) एकवचन, तृतीया विभक्ति

20. 'अपठम्' धातु का वचन एवं पुरुष है: [1]

- (A) द्विवचन, उत्तम पुरुष
- (B) एकवचन, प्रथम पुरुष
- (C) बहुवचन, मध्यम पुरुष
- (D) एकवचन, उत्तम पुरुष

खण्ड - 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक ही रुचि हों । इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक नहीं है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है । राम धीर और शान्त प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत प्रकृति के थे, पर दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था । उदार तथा उच्चाशय कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभाव में कुछ विशेष समानता न थी पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी ।

- (i) प्रस्तुत अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
- (ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक क्या कहना चाहता है ?

अथवा

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है । इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथा - प्राण चित्र कहीं नहीं बने ।

अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका । <https://www.upboardonline.com>

- (i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
- (ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) अजन्ता की कला का बाहर के देशों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौह दै, बूझति साँच न हाँसी ॥

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?

कैसे बरन, भेष है कैसौ, किहिं रस में अभिलाषी ?

पावेगी पुनि किया आपनो, जौ रे करैगौ गाँसी ।

सुनत मौन है रहयो बावरी, सूर सबै मति नासी ॥

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) निर्गुण ब्रह्म के वर्णन में क्या कठिनाई व्यक्त की है ?

अथवा

चींटी को देखा ?

वह सरल, विरल, काली रेखा ।

तम के तागे-सी जो हिल-डुल

चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल

वह है पिपीलिका पाँति ।

देखो ना किस भाँति

काम करती वह सतत !

कन-कन कनके चुनती अविरत !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) कवि 'वह है पिपीलिका पाँति के द्वारा जीवन के किस आदर्श के प्रति संकेत करता है ?

3. दिए गए संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+3=5]

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिताः।
अस्याः घटानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते । अगणिताः
पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति , अस्याः घटानाञ्च शोभां विलोक्य
इमां बहु प्रशंसन्ति ।

अथवा

आम् ! राष्ट्रद्रोहः ! यवनराज ! एकम् इदं भारतं राष्ट्रं, बहूनि चात्र राज्यानि, बहवश्च
शासकाः । त्वं मैत्रीसन्धिना तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि । आम्भीकः चास्य
प्रत्यक्षं प्रमाणम् ।

4. दिए गए संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+3=5]

अपदो दूरगामी च साक्षरा न च पण्डितः ।

अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ॥

अथवा

धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम् ।

लाभानामुत्तमं किंस्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम् ॥

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: [3]

(क) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग का कथानक लिखिए ।

(घ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) (i) 'ज्योति - जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति - जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आज़ाद का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

(छ) (i) 'मेवाड़ - मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र चित्रण कीजिए ।

'मेवाड़ - मुकुट' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

- (झ) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्राङ्कन कीजिए ।
(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए:

- (i) जयशंकर प्रसाद
(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी एक प्रमुख रचना का नामोल्लेख कीजिए :

- (i) तुलसीदास
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) रामनरेश त्रिपाठी

7. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । [2]

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : [2+2=4]

- (i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?
(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः ?
(iii) आतुरस्य मित्रं कः भवति ?
(iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: [9]

- (i) स्वच्छ भारत अभियान
- (ii) विज्ञान वरदान या अभिशाप
- (iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान
- (iv) जनसंख्या वृद्धि की समस्या और समाधान
- (v) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्त्व

downloaded from
StudentSuvidha.com